➡ मुंबई महानगरपालिका की स्वास्थविभाग पुर्व अध्यक्षा श्रीमती. अश्विनी मते ने ऐम्पथी फॉउन्डेशन की सहयोग से दि.17 अप्रैल 2011, छत्रपति शिवाजी सभागृह, ब्राम्हण समाज हॉल, बुधवार पेठ, जुन्नर पुणे में नेत्रचिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया उपरोक्त कार्यक्रम में शिरूर के आदरणीय सांसद श्री. शिवाजी आढळराव पाटील भी उपस्थित थे ।

ऐम्पथी फॉउन्डेशन के समस्त कार्यकर्ता, कर्मचारी एवं डॉक्टर गण सफलता पूर्वक, 1369 लोगों की जांच करने के पश्चात एवं स्थानीय लोगों की संतुष्टिभरी मुस्कुराहट के बाद प्रसन्न चितमुद्रा में दिखाई दे रहे है । ⬅

नयी नियुक्ति — नयी जिम्मेदारी

श्री.एम. आर. सुन्दरेस्वरन

02 मई 2011 के दिन से श्री. सुन्दरेस्वरन की ऐम्पथी फॉउन्डेशन के सी.ई.ओ. के पद पर नियुक्ति की गई । वे सेवा निवृत्त बैंकर है, जो कि गरीब और वंचितों की सेवा करने के लिए सदा तत्पर रहते हैं । वे मानते है कि प्राप्त करने के बजाय देने में ज्यादा खुशी मिलती है ।

श्री. हसमुख शाह

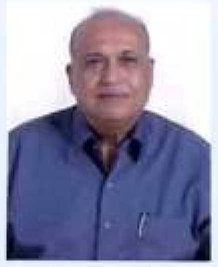

श्री. शाह ऐम्पथी के सी.ई.ओं. के नाते पाँच साल तक इस नौका के कप्तान बने रहे । अब वे मुख्य सलाहकार और मार्गदर्शक की जिम्मेदारी संभालकर इस संस्था को और भी ऊपर ले जाएंगे ।

जवाहर नवोदय विद्यालय कोल्हापुर

ग्रामीण भागों से आने वाले बालक — बालिकाओं के लिए कोल्हापुर में जवाहर नवोदय विद्यालय नामक माध्यमिक पाठशाला तथा हॉस्टल का निर्माण किया गया है । बालक — बालिकाएं दोनों के लिए बनाये गये इस निवासी गृह का ध्येय हैं । बच्चों को उच्च दर्जे की आधुनिक शिक्षा प्रदान करना, बच्चों को अच्छे संस्कार देना तथा हमारी संस्कृति का मूल्य समझाना इस कोशिश के साथ यह प्रकल्प का निर्माण किया गया है । नवोदय विद्यालय में कक्षा छठी से प्रवेश दिया जाता है और यहाँ बारहवीं कक्षा तक पढ़ाई की सुविधा हैं । स्कूल में तीन भाषाओं की जानकारी दी जाती है क्योंकि बच्चों के लिए तीन भाषा का ज्ञान आवश्यक है ।

हर एक जिले में पाठशाला की शिक्षा में, उस जिले की आवश्यकता के अनुसार सुधार लाना तथा ज्यादा से ज्यादा सुविधाएँ उपलब्ध करवाने का काम किया जाता है । सन 1860 के रजिस्ट्रेशन ऑफ सोसायटीझ निमय के तहत नवोदय विद्यालय समिति का पंजीकरण किया गया है । केंन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय ने इस शैक्षणिक संस्था को एक स्वतंत्र संस्था के नाते मान्यता दी है । उपरोक्त मंत्रालय के मंत्री इस समिती के अध्यक्ष और राज्यमंत्री उपाध्यक्ष हैं । सर्वप्रथम सन् 1985 में महाराष्ट्र के अमरावती जिले से इसका 'श्री गणेश' हुआ था । इस पुर्ण कल्पना के जन्मदाता आदणीय पी. व्ही नरसिंहराव थे । भारत के ग्रामीण विस्तारों में से होनहार और होशियार विद्यार्थियों को ढूंढ निकालना और उन्हें प्रोत्साहित करना इसी उद्देश के साथ राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे तब इस प्रकल्प की शुरूआत हुई थी । शुरू में यह संस्था नवोदय विद्यालय के नाम से जाने जाती थी, और बाद में उसे जवाहर नवोदय विद्यालय ऐसा नया नाम दिया गया क्योंकि उस वर्ष जवाहरलालजी की जन्म

शताब्दि थी । जवाहर नवोदय विद्यालय जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विद्यालय मैनेजमेन्ट कमेटी के अन्तर्गत काम करते हैं । हाल में 480 निवासी विद्यार्थी पाठशाला में पढ़ते है । स्कुल के पास 45 शिक्षकों का स्टाफ है । ऐम्पथी फॉउन्डेशन इस प्रकार के कार्यो के लिए सालाना 2 से 5 करोड़ रूपये की सहायता करता है । ज्यादातर हिस्सा उन पाठशालाओं के निर्माण व पुर्न:निर्माण में खर्च किया जाता है । जो कि ग्रामपंचायत व जिला परिषद के अंतर्गत आती है । सुगाल एण्ड दामाणी द्वारा स्थापित ऐम्पथी फॉउन्डेशनने जवाहर नवोदय विद्यालय की भी नई इमारत बनवाई है । इस इमारत में 35,400 वर्गफुट का निर्माण हुआ है और इस पूरे प्रकल्प में साढेतीन करोड रूपया खर्च हुआ है । जवाहर नवोदय विद्यालय, कागल,जि. कोल्हापुर का नया भवन तैयार हो गया है । फॉउन्डेशन द्वारा निर्मित इस इमारत का उद्घाटन शीघ्र ही होनेवाला है ।

To,

ई— स्वरूप में समाचारपत्रिका प्राप्त करने में रूचि रखते हैं, पाठको कृपया हमें अपने ई—मेल आईडी भेज सकते है ।
Readers interested in Receiving the Newsletter in E-Format may please send us their e-mail ID

Published Four times a year by Empathy Foundation, 802, Krushal Commercial Complex, G.M.Road, Chembur (W) Mumbai 400 089.
Telephone: 25281127/ 32190500 Telefax : 25281127,
Email: empathyfoundation@rediffmail.com / empathy@empathyfoundation.in
Website: www.empathyfoundation.in

Donations to EMPATHY FOUNDATION is eligible for tax exemption under section 80G & 35 AC of Income Tax Act.

ऐम्पथी समाचार

त्रैमासिक समाचार पत्रिका (केवल निजी और निशुल्क वितरण के लिये)

ऐम्पथी फॉउन्डेशन

सहानुभूति - करुणा - परानुभूति

सुगाल एण्ड दामाणी ग्रुप द्वारा प्रायोजित

अंक -4 *जुलाई 2011*

संस्थापक
श्री एन. सुगालचंद जैन

मैनेजिंग ट्रस्टी
श्री गुणवंत दामाणी

ज्वाइंट मैनेजिंग ट्रस्टी
श्री शांतिलाल छेडा

ट्रस्टी
श्री प्रविण छेडा • श्री रमेश दामाणी • श्री एस. विनोदकुमार जैन • श्री एस. प्रसन्नचंद जैन
श्री किशोर अजमेरा • श्री प्रमोद जैन • श्री नितेश दामाणी • श्री राजेन छेडा

सी.ई.ओ
श्री एम.आर.सुन्दरेस्वरन

संपादक
श्री वी.एस.माने

संपादकीय समन्वय
श्री ललितकुमार शाह

विश्वविख्यात अमेरिकन लेखक मार्क ट्वैन ने एक जगह लिखा है.''करूणा या सद्भाव एक ऐसा शब्द है जो बहरा सुन सकता है और अंधा व्यक्ति देख सकता है ।''

गत पाँच साल से ऐम्पथी फॉउन्डेशन में हम ठीक इसी भावना के साथ जनसेवा करते है। इस फॉउन्डेशन के संस्थापक श्री. सुगालचंद जैन है, श्री गुणवंत दामाणी मैनेजिंग ट्रस्टी एवंम् श्री शांतिलाल छेडा ज्वाईंट मैनेजिंग ट्रस्टी है । जिनकी सहायता अन्य ट्रस्टीगण भी करते है । संस्था का उद्देश समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना है । महाराष्ट्र में, और विशेष करके छोटे छोटे गाँवों में ऐसे अनेक आर्थिक दृष्टि से वंचित और उपेक्षित लोग है, जिनके प्रश्नों की ओर सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थाएं समयाभाव के कारण बहुत कम ध्यान देती है । इन लोगों को सहायता करके हम इन्हें स्वयं के पैरों पर खड़ा रहने की शक्ति देना चाहते है । इन्हें हम उचित और उपयोगी शिक्षा एवम् ज्ञान देकर कुछ बनाना व सिखाना चाहते है । स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करके हम इन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सुविधाएं और ज्ञान देने का प्रयास करना चाहते है । रत्नागिरी, रायगड, कोल्हापूर, पुणे, सातारा, सिन्धुदुर्ग, बीड, ठाणे और सोलापुर जिलों में गत पाँच वर्षो से प्रवृतियाँ कर रहे है । उनमें प्रति वर्ष हम करीब दो से पाँच करोड रूपयों की सहायता करते है । हमारे फॉउन्डेशन ने लगभग 2,35,000 रोगियों को किसी न किसी प्रकार सहायता की है । इसके अलावा मोतियाबिंद की 4,500 शस्त्रक्रियाएं, 38 स्कुलों के निर्माण और 09 जलयोजनाओं का निर्माण भी क्रियान्वित किया है । अब तक हम 120 से अधिक नेत्रचिकित्सा शिविर भी कर चुके है ।

31मार्च 2011 तक हमारे द्वारा पुर्ण किये कार्य और विशेष आयोजन निम्न प्रकार हैं,

स्कूल प्रोजेक्टस् (कार्य पुर्ण हो गये है)	38
स्कूल प्रोजेक्टस् (निर्माण कार्य चल रहा है)	12
जल योजना (कार्य पुर्ण हो गये है)	09
दत्तक ग्राम योजना (धनवी, जि. रायगड)	01
नेत्रयज्ञ (पुर्ण किये)	121
रोगियोंको लाभ मिला	2,35,894
दवाँइयों को वितरण से लाभानवित	18,753
चश्मों का वितरण	1,54,084
मोतियाबिंद की सफल शस्त्रक्रियाएं	4,583

सुगाल एण्ड दामाणी समूह ने इस संस्था की नीव डाली है । समूह ने दान और धर्म की पुरानी कहावत को चरितार्थ करते हुए मानते है कि ''यदि दान करना है तो स्वयं से प्रारंम्भ करो'' यही समूह का मूलमंत्र है और सामाजिक दायित्व भी है । ऐम्पथी शब्द का अर्थ भी यही है ''सहानुभूति जताना'', समय और समाज के साथ सहयोग रखना, स्वयं के स्वार्थ को भूलकर परमार्थ करना । जिनके पास ''नही है'',जो वंचित है, गरीब है , उसी की आवश्यकताओं को पूरा करना ही ''ऐम्पथी'' है । और ऐसे लोगों को ढूंढ़ने का काम तो ग्रामीण भागों में ही हो सकता है । अत: एव ऐम्पथी फॉउन्डेशन महाराष्ट्र के गाँवों में ज्यादा प्रवृतियाँ करती है ।

➡ दलवेवाडी ता. पन्हाळा, कोल्हापूर में जिला परिषद की पाठशाला की इमारत की भूमिपूजन के अवसर पर ऐम्पथी फॉउन्डेशन के सी.ई.ओ. श्री. सुंदरेस्वरन का स्थानीय विधायक तथा वारणा उद्योग समूह के अध्यक्ष श्री. विनय कोरे द्वारा सन्मान किया गया । बहुलक्षीय हॉल में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था । इस गावं की विशिष्टता, यहाँ का पुस्तकालय है । यह पुस्तकालय ग्रामवासियों के पढ़ने के लिए पुस्तक घर ले जाने को प्रोत्साहित करता है । वे पुस्तकालय के लिए दान में पुस्तके भी इकठ्ठा करते है ।

➡ हर एक कक्षा के लिए अलग अलग कमरे तथा बालक – बालिकाओं के लिए अलग अलग शौचालय के साथ जिला परिषद वाडज, जि. पुणे का निर्माण जारी है । छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्म स्थल ऐतिहासिक शिवनेरी किल्ले के पास, जुन्नर तालुका स्थित वाडज में यह प्रकल्प आया है । पुर्ण होने पर यह इमारत इस इलाके का उत्कृष्ट निर्माण होगा । आसपास के गाँवों के लिए शिक्षा का आकर्षक भवन बनेगा ।

➡ कापरवाडी, ता. आंबेगाव, जि. पुणे के जिला परिषद स्कूल के नये भवन का उद्घाटन दि. 04 जून 2011 के दिन महाराष्ट्र विधानसभा के आदरणीय स्पीकर श्री. दिलीपरावजी वलसे – पाटील के करकमलोद्वारा संपन्न हुआ । महाराष्ट्र विधानसभा के आदरणीय स्पीकर श्री वलसे – पाटील ने जिला परिषद स्कूल कापरवाडी के उद्घाटन भाषण में कहा कि इस गाँव के लोग ऐम्पथी फॉउन्डेशन के ऋणि रहेंगे क्योंकि, फॉउन्डेशन ने इस उंची पहाडीवाले इलाके में एक उत्कृष्ठ स्कूल इमारत का निर्माण कर महान कार्य किया है ।

ऐम्पथी फॉउन्डेशन के ज्वाईट मॅनेजिंग ट्रस्टी श्री. शांतिलाल छेडा इलणे गाँव में जिला परिषद की पाठशाला के प्रकल्प की प्रगति का निरीक्षण कर रहे है । उनके साथ है श्री. हसमुख शाह, सी.इ.ओ. श्री. सुन्दरेस्वरन तथा इस प्रकल्प के ठेकेदार श्री. संतोष चव्हाण दिखाई दे रहे है । यहाँ के सरपंच और ग्रामवासियों का कहना है कि भवन के पुर्ण होने पर इस गाव के लिये गौरव की बात होगी । इस भवन में बड़ी जगह उपलब्ध कराई गई है जो कि सर्वोत्कृष्ट स्कूल के लिए अनुपम उदाहरण है । ⬅

➡ 16 अप्रैल 2011 के दिन अहमदनगर जिले के केडगावँ में भूषणनगर स्थित मधुर मिलन मंगल कार्यालय में नेत्रयज्ञ का आयोजन किया गया था । बुजुर्गों के लिए आँखों की देखभाल रखना तथा मोतियाबिंद का इलाज करवाना ये दो बातें काफी महत्व रखतीं है । इस हेतु के साथ ऐम्पथी फॉउन्डेशन स्वास्थ्य और नेत्रचिकित्सा शिबिर का आयोजन करता है । इस शिबिर में जानेमाने और अनुभवी नेत्र चिकित्सक तथा उनके सहयोगी सेवा देते हैं । वे मरीजों की आँखों की जाँच करना, दवाई तथा मुफ्त चष्मों का वितरन करना, मोतियाबिंद जाँच करने के बाद डाक्टर के पास ले जाना आदि कार्य बड़ी निष्ठा के साथ करते है ।

➡ पुणे जिले के मुलशी तहसील के खारवडे गाँव में म्हसोबा मंदिर संस्था में 17 अप्रैल 2011 के दिन पुणे जिला परिषद की अध्यक्षा श्रीमती वैशाली अबाणे ने नेत्रशिबिर का उद्घाटन किया ।

दिनांक 25 अप्रैल 2011 को शिवाजी हाईस्कूल, चैतन्यनगर, बुलढ़ाण में आँखो की जाँच और इलाज के लिए शिबिर आयोजित किया गया था । इस अवसर पर वहाँ स्थानीय विधायक श्री. विजयराज शिन्दे पधारे थे । ऐम्पथी फॉउन्डेशन के श्री. अनिल कदम ने उनका स्वागत किया था । ⬅

➡ बुलढाणा के नेत्रचिकित्सा शिबिर में एक लाभार्थी ग्रामीण महिला को हमारे डॉक्टर आँखों के बारे में सलाह देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

➡ सुगाल और दामाणी उद्योगसमूह द्वारा आयोजित तीन दिवसीय परिवारिक परामर्श कार्यक्रम अम्बीवैली, लोणावला में श्री. अमित सैनानी (फॅमिली काउन्सीलर), की उपस्थिति में संपन्न हुआ । उसी समय उपस्थित परिवार सदस्यों की एक सामूहिक फोटो.